

प्रेषक,

शैलेश बगौली,
प्रभारी सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
उत्तराखण्ड देहरादून।

संस्कृति, धर्मस्व, तीर्थाटन प्रबन्धन एवं धार्मिक मेला अनुभाग देहरादून: दिनांक: 10 फरवरी 2015

विषय:- वित्तीय वर्ष 2014-15 के लिए राज्य/केन्द्र शासित प्रदेशों के अभिलेखीय सुरक्षाकोषों, राजकीय पुस्तकालय एवं संग्रहालयों को वित्तीय सहायता योजनान्तर्गत वित्तीय स्वीकृति निर्गत किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या 2482/सं0नि0उ0/दो-3/ 2014-15 दिनांक 24 दिसम्बर 2014 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2014-15 में अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-00-102-कला एवं संस्कृति का संवर्द्धन-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना-0102-अभिलेखीय सुरक्षा कोषों, पुस्तकालयों एवं संग्रहालयों हेतु सहायता-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मानक मद के आयोजनागत पक्ष के अन्तर्गत ₹19.50 लाख केन्द्रांश तथा ₹ 6.50 लाख राज्यांश अर्थात् कुल ₹26.00 लाख (₹ छब्बीस लाख मात्र) की धनराशि आपके निर्वर्तन पर रखते हुए निम्नांकित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

(i) उक्त स्वीकृत धनराशि के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश सं0-318/XXVII(1)/2013 दिनांक 18 मार्च, 2014 निहित शर्तों एवं प्रतिबन्धों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(ii) मितव्ययी मदों में व्यय आवंटित सीमा तक ही सीमित रखा जाय। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों एवं अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए।

(iii) व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

3- उक्त धनराशि का भुगतान वास्तविका व्यय एवं संगत वित्तीय मानकों के प्राविधानानुसार ही किया जायेगा।

4- व्यय के संबंध में वित्तीय हस्तपुस्तिका एवं समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

5- उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

6- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्यय में अनुदान संख्या- 11 के लेखाशीर्षक-2205- के अनुसार संगत मानक मद के आयोजनागत पक्ष से वहन किया जायेगा।

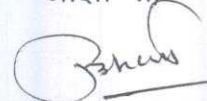
भवदीय,

(शैलेश बगौली)
प्रभारी सचिव

पृष्ठांकन संख्या 119 (1)/VI/2015-71(6)/2014 तददिनांक।

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- प्रधान महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- निदेशक, राज्य अभिलेखागार भोपालपानी, देहरादून।
- 3- वित्त अधिकारी, साइबर ट्रेजरी देहरादून।
- 4- वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
- 6- एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड।
- 7- गार्ड फाईल।

आज्ञा से

(प्रकाश चन्द्र भट्ट)
उप सचिव।